4

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

# कर्त्तव्य सर्वोपरि

भ्रष्टाचार मुक्त भारत - विकसित भारत

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022

## केन्द्रीय सतर्कता आयोग

कर्त्तव्य सर्वोपरि
यहाँ बच्चे कितने अच्छे से एक दूसरे के साथ खेलते हैं।
सरकारी आवासीय परिसर
सरकारी कर्मचारियों के लिए बने आवासीय परिसर में रहने का यही लाभ है कि यहाँ सभी बराबर हैं।
इससे बच्चों में भी बराबरी का भाव और प्यार बना रहता है।
वरना आजकल बच्चे खेलने के लिए मुश्किल से बाहर आते हैं।
खेलते खेलते गोलू वहां खड़ी एक कार की छत पर चढ़ गया।
वाह ! कार पर चढ़ कर खेलने में कितना मजा आ रहा है।

तभी वहां लड्डू आ धमका।
गोलू , मेरी कार से उतरो, खेलना ही है तो अपने पापा की कार पर चढ़ कर खेलो।
गोलू रोते रोते घर पहुंचा और मम्मी को सारी बात बताई।
मम्मी, हमारी कार कब आयेगी ?
आ जायेगी बेटा, फिर तुम जी भर कर खेलना और घूमना।
आज तो मैंने गोलू को टॉफ़ी देकर बहला दिया। पर रोज रोज उसे कैसे समझाऊँ ?

आप और लड्डू के पापा एक ही पोस्ट पर हैं। पर उनके बच्चे महंगे पब्लिक स्कूल में पढ़ते हैं।
पत्नी शानदार साड़ी पहनती है और नये नये गहने खरीदती रहती हैं।
यही नहीं उनके घर के बाहर अक्सर बड़ी बड़ी कारें आ कर रूकती हैं।
उन कारों में आने वाले लोग गिफ्ट के बड़े बड़े पैकेट भी ले कर आते हैं।

गोलू की माँ इस बात को अच्छे से समझती थी। गोलू के पापा अपना सारा वेतन उनके हाथों में ही लाकर देते हैं।

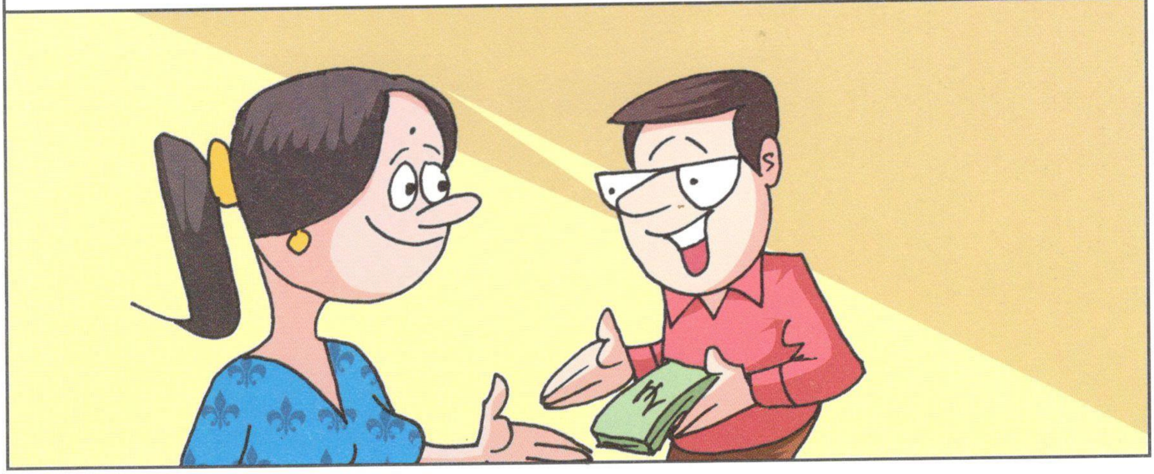

महीने के अंत में क्या बचता है ,
वो अच्छी तरह जानती है।
इसी बीच लड्डू के पापा का स्थानांतरण दूसरे शहर में हो गया।
भवानी नगर
BHAVANI NAGAR
कुछ वर्ष बाद
गोलू के पापा की मेहनत, लगन और ईमानदारी के फलस्वरूप जल्द ही उनका प्रमोशन हो गया।
इस दौरान कुछ राशि उन्होनें छोटी छोटी बचत करके जोड़ ली थी।
₹
पिगी बैंक
PIGGI BANK
FIXED DEPOSIT
संचयी
CUMMULATIVE DEPOSIT
उन्होनें कार चलाना सीखना प्रारंभ कर दिया था।
L

बैंक में
सर, आपकी कागजी कार्यवाही पूरी हो गयी है।
प्रबंधक
बस, अगले हफ्ते तक आपका कार लोन मंजूर हो जायेगा।
धन्यवाद, मैं यह खुशखबरी अपने परिवार को सुनाता हूँ।
एक हफ्ते बाद।
आज गोलू बहुत खुश था क्योंकि उसके घर में भी कार आ गयी थी।
उसके पापा ने उसे पूरे दिन कार में घुमाया

एक दिन लड्डू के पापा गोलू के घर आते हैं।
नमस्ते अंकल, लड्डू कैसा है ?
अच्छा है, वह भी तुम्हे याद करता है।
पापा घर में हैं?
हाँ,अंकल जी।
पापा, लड्डू के पापा आये हैं।
हाँ हाँ आईए।
आप पुराने पड़ोसी हैं। इस नाते बहुत उम्मीद लेकर आपके पास आया हूँ।
चाय लीजिये, हाँ, आप कुछ कह रहे थे।

आजकल मैं भवानी नगर में कार्यरत हूँ ।
वहां के कुछ लोग मुझे पसंद नहीं करते ।
मुझे झूठे मामलों में फंसाकर विभाग ने विजिलेंस केस बना दिया है।
आप तो मंत्रालय के विजिलेंस अनुभाग में ही है।
हाँ, अभी तो वहीं हूँ।
आप ज़रा इस केस को देखिये।

अब आप ही मुझे बचा सकते हैं।
आप चाहे तो, आपके लिए मैं कुछ भी करने के लिए तैयार हूँ।
ये आप क्या कह रहे हैं ? आपको मेरे लिए कुछ भी करने की ज़रूरत नहीं है।
मैं फाइल आने पर तथ्यों को देखूंगा। तथ्यों के आधार पर ही उच्च अधिकारी निर्णय लेंगे।
जी, धन्यवाद ।
चार दिन बाद
ओह, तो लड्डू के पापा पर कांट्रेक्टर को फायदा पहुँचाने के लिए फर्जी बिल पास करने का आरोप है,

और यह प्रमाणों के आधार पर सिद्ध भी होता है।
और इस सबके लिए उन्हें पहले भी चेतावनी दी जा चुकी है।
बड़ी दुविधा है। पडोसी को बचाऊं तो कैसे बचाऊं ? भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना मेरा प्रथम कर्त्तव्य है।
आख़िरकार गोलू के पापा ने सदा की तरह कर्त्तव्य का पालन किया और लड्डू के पापा को विभाग द्वारा नियत सजा मिली।

## ईमानदार रहें और भ्रष्टाचार का मुकाबला करें

- कई बार, किसी भी तरह से विलासितापूर्ण जीवन जीने का मोह व्यक्ति को भ्रष्ट आचरण हेतु मज़बूर कर देता है।
- किसी अनैतिक कार्य को सही ठहराना एक हानिकारक प्रवृत्ति है ।
- ऐसी प्रवृत्ति से निपटने के प्रभावी तरीकों में से एक है, नागरिकों में ईमानदार, सरल एवं स्पष्टवादी होने के गुण को विकसित करना।
- ऐसे भी लोक सेवक हैं, जो नैतिक व्यवहार को अत्यधिक महत्त्व देते हैं, और दूसरों के लिए मिसाल बनते हैं।
- सामाजिक दबावों से प्रभावित हुए बिना, व्यक्ति को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपना कर्त्तव्य निभाना चाहिए।


# केन्द्रीय सतर्कता आयोग

सतर्कता भवन, ए-ब्लॉक, जीपीओ कॉम्प्लेक्स, आईएनए, नई दिल्ली - 110023

www.cvc.gov.in

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India के सहयोग से प्रकाशित

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा मुद्रित